B.A. I · Gamak Ke Prakaar

Short Notes.

* गमक का प्रयोग अधिकतर ध्रुपद गायन में होता है।
* एक विशेष प्रकार के कंपन को गमक कहते हैं।
* कभी - कभी ख्याल गायक भी गमक की तानों का प्रयोग करते हैं।
* गमक के प्रकार भिन्न-भिन्न पुस्तकों में भिन्न - भिन्न बताये ~~है~~ गये हैं।
* संगीत रत्नाकर में 15 गमक बताये गये हैं।
* संगीत पारिजात में 20 गमक बताये गये हैं।
* संगीत पंचरत्न में 7 गमक बताये गये हैं।
* संगीत रत्नाकर में मुख्य 15 गमक हैं जो इस प्रकार हैं :-
  1) कंपित गमक
  2) स्फुरित गमक

  (अ) स्फुरित गमक के तीन भेद हैं :-

  (क) जमजमा (ख) मुर्की
  (ग) खटकिरी

आहत गमक (4) आंदोलित गमक

प्लावित गमक (6) उल्लसित गमक

त्रिभिन्न गमक (8) तिरिप गमक

वली गमक (10) कुम्पित गमक

मुद्रित गमक (13) कुरवला गमक

नामित गमक (15) मिश्रित गमक

कुछ स्वतंत्र नाम हैं:- खटका, मुर्की, गिटकिड़ी, ज़मज़मा, मींड आदि

नोम तोम के आलाप में भी अन्तिम भाग में युतलय में गमक तानें की जाती है।

To be continued...